मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 128 ■ शुक्रवार, 2 अगस्त 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

'कम उम्र में शादी करके गलती की थी'

शहाड फ्लाईओवर हुआ खतरनाक

ब्रिज पर हुआ गड्ढा

भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद किया गया

- वाहन चालकों में दहशत
- यात्रियों की परेशानी बढ़ी

उल्हासनगर. कल्याण-अहमदनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कल्याण शहर को मुरबाड, अहमदनगर जिले से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण शहाड फ्लाईओवर ब्रिज पर गड्ढा हो जाने के कारण कल्याण की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। साथ ही, पुल पर आने वाले भारी वाहनों को रोक दिया गया है और इस यातायात को गोवेली - टिटवाला - कल्याण और रायते - दहागांव - बदलापुर के रास्ते मोड़ दिया गया है। पुल पर केवल एक लेन होने के कारण भारी जाम लग रहा है.

पिछले कुछ वर्षों में कल्याण अहमदनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात काफी हद तक बढ़ गया है। कल्याण अहमदनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और विशेष रूप से शहाड पुल कल्याण शहर और उल्हासनगर शहर के साथ-साथ शहाड गांव, कल्याण तालुक के ग्रामीण इलाकों को जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है। यह राजमार्ग अहमदनगर, पुणे जिले से आने वाले कृषि सामान, सब्जियों, दूध के लिए भी महत्वपूर्ण है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से इस मार्ग पर स्थित शहाड फ्लाईओवर ब्रिज पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए थे। ऐसे में वाहन चालकों को काफी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है.

इसी बीच बुधवार को शहाड पुल पर कल्याण की ओर जाने वाली सड़क का कुछ हिस्सा टूटकर गिर गया, जिसके कारण बड़ा छेद हो गया है.

यातायात में परिवर्तन

इसकी जानकारी मिलने पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के ठाणे उपमंडलीय इंजीनियरों ने यातायात पुलिस को पत्र लिखकर इस पुल को भारी वाहनों के लिए बंद करने का अनुरोध किया. इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने इस पुल पर भारी ट्रैफिक रोक दिया. कल्याण की ओर जाने वाली सड़क बंद कर दी गई और मरम्मत का काम शुरू हो गया. इसके चलते इस जगह पर भीषण जाम लग गया. इस पुल से कल्याण जाने वाले भारी यातायात को गोवेली - टिटवाला - कल्याण और रायटे - दहगांव - बदलापुर के रास्ते मोड़ दिया गया।

अंबरनाथ के कांग्रेसियों की कांग्रेस में वापसी

- नाना पटोले ने किया स्वागत
- प्रदीप पाटिल भी जल्द ही कांग्रेस में आ सकते हैं

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस के शहराध्यक्ष प्रदीप पाटिल एवं सात पूर्व नगरसेवक एवं कई कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस पक्ष को छोड़कर शिवसेना शिंदे गट में शामिल हो गए थे. मंगलवार शाम में कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता वापस कांग्रेस पक्ष में लौट गए हैं. ये कार्यकर्ता मुंबई स्थित तिलक भवन पहुंचे व महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले से मुलाकात की. उन्होंने सभा कार्यकर्ता जो उपस्थित थे, उन्हें कांग्रेस में शामिल कर लिया है. पटोले ने कार्यकर्ताओं को कांग्रेस का मफलर पहनाकर उन का स्वागत किया. पूर्व नगरसेवक आत्माराम तांबे, नईम शेश, अर्चना प्रसाद, मुनीर शेख, देवराज, हर्षद, विद्या नागदेव, स्मिता बंगेरा, संकेत तांबे व अन्य को कांग्रेस में शामिल किया गया है. विदित हो कि ठाणे जिला कांग्रेस अध्यक्ष दयानंद चोरघे ने एक पत्रक जारी किया था कि लोकसभा चुनाव के समय जो कांग्रेसी पक्ष को छोड़कर चले गए थे, उन्हें दोबारा पक्ष में नहीं लिए जाने का आदेश उनके वरिष्ठों ने जारी किया है. लेकिन ऐसा नहीं हुआ है. वरिष्ठों ने ही शिवसेना में कांग्रेसियों को पक्ष में दोबारा प्रवेश दिया है. ये भी जानकारी मिल रही है कि प्रदीप पाटिल और उनके साथ शिवसेना में गए पूर्व नगरसेवक, पदाधिकारियों की भी जल्द ही कांग्रेस में शामिल कर लिया जाएगा. उनके लिए अब कांग्रेस में दोबारा प्रवेश करने का रास्ता खुला हो गया है.

मुख्यमंत्री मेरी प्यारी बहना योजना के आवेदन पत्र के लिए नई वेबसाइट शुरू

ठाणे. मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना अंतर्गत महिला लाभार्थियों के आवेदन पत्र भरने के लिए www.ladkibahin.maharashtra.gov.in प्रशासनिक वेबसाइट उपलब्ध है। इस वेबसाइट पर 1 अगस्त से आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. यह जानकारी जिला जनसंपर्क महिला बाल विकास अधिकारी महेंद्र गायकवाड़ ने दिया। जिस पात्र इच्छुक महिला लाभार्थी ने आवेदन पत्र नहीं भरा है वह www.ladkibahin.maharashtra.gov.in इस वेबसाइट पर आवेदन करें. यह आवाहन जिलाधिकारी अशोक शिनगारे व जिला महिला व बालविकास अधिकारी गायकवाड ने किया है.

उल्हासनगर में पानी समस्या हुई गंभीर

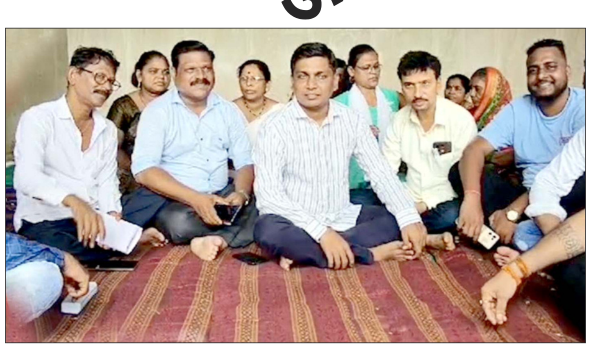

- कैम्प 4 में स्कूल के सामने प्रदर्शन
- उल्हासनगर मनपा अधिकारी द्वारा झूठा आश्वासन

उल्हासनगर. उल्हासनगर-4 दहाचाल रेजिडेंट्स एसोसिएशन ने आज से नालंदा स्कूल के सामने उपोषण शुरू किया है। पिछले कई दिनों से दहा चाल, डिफेंस कॉलोनी, महात्मा फुले कॉलोनी, अशोक वन, लुंबिनीवन सोसायटी, पंचशील, साईबाबा नगर समेत अन्य खंडों में देर रात जलापूर्ति की जा रही है. साथ ही बार-बार मटमैला पानी आ रहा है। इसके लिए दहाचल निवासी संघ ने मनपा प्रशासन को बार-बार पत्र लिखा है। साथ ही कई बार हांडा मोर्चा निकालने के बावजूद प्रशासन की ओर से सिर्फ झूठा आश्वासन ही दिया गया.

इसके लिए आज नालंदा स्कूल के सामने गंदे पानी की समस्या और जलापूर्ति के समय को निर्धारित करने के लिए आमरण-अनशन रखा गया है. कई बार इस क्षेत्र के नागरिकों ने यहां अनशन किया था और उल्हासनगर महानगरपालिका के खिलाफ भी मोर्चा भी निकाला गया.

समय से पानी आपूर्ति नहीं होने पर रोष

- इस बार प्रशासन की ओर से उन्हें दोपहर 3 से 5 बजे तक का निश्चित समय दिया गया था, लेकिन स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि महानगरपालिका अधिकारी परमेश्वर बूज ने नाममात्र का आश्वासन दिया. हमें 3 से 5 बजे का निश्चित समय दिया गया था. स्थानीय निवासियों की मांग है कि इस समय के भीतर हमें पानी की आपूर्ति की जाए.
- पानी आने का समय निर्धारित नहीं होने के कारण इस क्षेत्र के निवासी घर से बाहर कहीं भी नहीं जा पाते, घर के किसी एक सदस्य को तुरंत घर में ही रहकर पानी आने का इंतजार करना पड़ता है।
- साथ ही अनशन कर रहे नागरिकों ने जवाब दिया कि क्षेत्र में गंदा पानी आने से लोगों को गंभीर बीमारी का भी सामना करना पड़ सकता है.

कडोंमपा कर्मचारी के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज

- आरोपियों में चार लोग शामिल
- बिल्डर से 4 फ्लैट व 41 लाख रुपए वसूलने का आरोप

कल्याण. डोंबिवली के एक डेवलपर के विभिन्न निर्माण परियोजनाओं को अनधिकृत बताते हुए महानगर पालिका, सरकारी कार्यालयों में शिकायत करने, इन परियोजनाओं के बारे में जानकारी सोशल मीडिया में साझा करने और संबंधित डेवलपर को बदनाम करने की धमकी देकर गत 7 वर्षों में 4 फ्लैट व 41 लाख रुपए जबरन वसूले गए. अंततः हफ्ता विरोधी दस्ते ने मंगलवार को विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में एक कल्याण डोंबिवला मनपा के कर्मचारी, उसके तीन सहयोगियों और एक आरटीआई कार्यकर्ता के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज किया.

पिछले कई वर्षों से निर्भय बनो संस्था के माध्यम से डोंबिवली में अवैध निर्माण के खिलाफ आवाज उठा रहे आरटीआई कार्यकर्ता महेश दत्तात्रेय निंबालकर समेत विनोद मनोहर लकेश्री, प्रशांत शिंदे, विलास हुंडकर, परेश शाह के खिलाफ ठाणे के एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड के सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीकृष्ण गोरे ने डेवलपर प्रफुल्ल गोरे की शिकायत पर

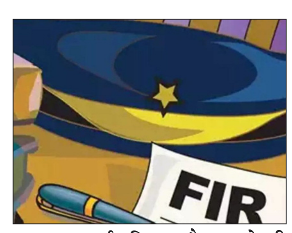

मामला दर्ज किया है। लाकेश्री कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका में ड्राइवर के पद पर कार्यरत है और महानगर पालिका के ए वार्ड में घनकचरा वाहन पर उसकी ड्यूटी है। कुछ महीने पहले महानगर पालिका के डोंबिवली डिविजनल कार्यालय के बाहर भू-माफियाओं ने उन पर हमला भी किया था। इसमें वह बाल-बाल बच गया.

पुलिस ने बताया कि डोंबिवली के डेवलपर प्रफुल्ल मोहन गोरे (40, निवासी रीजेंसी अनंतम, शिला रास्ता, डोंबिवली) दिसंबर 2018 से डोंबिवली के कुंभारखानपाड़ा, देसलेपाड़ा, कोपर रास्ता, गोग्रासवाड़ी इलाकों में एक भवन निर्माण परियोजना शुरू कर रहे थे। इस दौरान आरोपी डेवलपर प्रफुल्ल गोरे के प्रोजेक्ट अनाधिकृत बताकर मनपा और सरकारी दफ्तरों में शिकायत की गई कि इन्हें तोड़ दिया जाए. इन निर्माणों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर उन्होंने डेवलपर को परेशानी में डालने की कोशिश की ताकि कोई इन हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में घर न खरीद सके. इन हाउसिंग प्रोजेक्ट्स की शिकायतें वापस लेने के लिए आरोपियों ने कुल 20 लाख रुपये की उगाही की. इसके अलावा, डोंबिवली में हाउसिंग प्रोजेक्ट में चार फ्लैटों को जबरन वसूली के रूप में जब्त कर लिया गया। डेवलपर की शिकायत के बाद एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड ने यह केस दर्ज किया. इस मामले में लाकेश्री और उसके तीन साथी फरार हैं और एंटी एक्सटॉर्शन स्क्वाड उनकी तलाश कर रहा है.

सच की आवाज दबाने की कोशिश

इस शिकायत को लेकर निर्भय बनो के संस्थापक महेश निंबालकर ने कहा कि हम कई वर्षों से डोंबिवली में सभी अवैध निर्माणों के बारे में महानगर पालिका से शिकायत करते रहे हैं। उसके खिलाफ हमारी भूख हड़ताल चल रही है. चूंकि महानगर पालिका इस अवैध निर्माण मामले पर कार्रवाई नहीं कर रही है, इसलिए हम पिछले साढ़े तीन साल से भूख हड़ताल पर हैं. कुंभारखानपाड़ा में अवैध हाउसिंग प्रोजेक्ट को लेकर हमने आवाज उठाई है. यह हमारी आवाज को दबाने के लिए झूठे अपराध में फंसाने का प्रयास है. इस संबंध में समय आने पर हम जांच अधिकारियों को अवैध निर्माण के खिलाफ अपनी लड़ाई से अवगत कराएंगे।

चेन स्नैचिंग करने वाला इरानी चोर गिरफ्तार

कल्याण. ठाणे पुलिस उपायुक्त शिवराज पाटिल ने बताया कि महिलाओं के गले से जबरन सोने की चेन खींचने वाले गुलाम अली उर्फ नादेर सरताज जाफरी (उम्र 40, अंबिवली, कल्याण, ठाणे) को गिरफ्तार किया गया है. उससे जबरन चोरी की छह वारदातों का खुलासा हुआ है और 59 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुए हैं। कुछ दिन पहले कल्याण इलाके में एक महिला के गले से जबरन सोने की चेन चुरा ली गई थी. तिलकनगर थाने में जबरन चोरी का मामला दर्ज कराया गया. जब इसी अपराध की समानांतर जांच क्राइम ब्रांच की यूनिट -3 कल्याण टीम द्वारा की जा रही थी, तभी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नरेश पवार को सूचना मिली कि संदिग्ध आरोपी अंबिवली स्थित अपने घर आएगा। उसी सूचना के आधार पर जाल बिछाकर जाफरी को गिरफ्तार कर लिया गया.

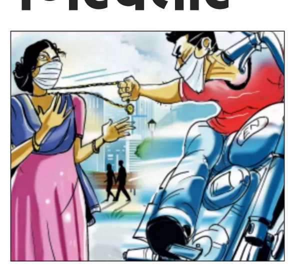

6 मामले उजागर

गहन पूछताछ में उसके तिलकनगर क्षेत्र में जबरन चोरी में शामिल होने की जानकारी मिली। पूछताछ के दौरान उसने कबूल किया कि उसने अपने साथी नूर अब्बास जाकिर (निवासी अंबिवली, कल्याण) की मदद से कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर इलाके में महिलाओं के गले से जबरन खींचकर सोने के गहने चुराए थे। जाफरी से कल्याण और उल्हासनगर परिमंडल में जबरन सोने की चेन चोरी के छह मामले सामने आए।

अंबरनाथ में ऑनलाइन 35 लाख की धोखाधड़ी

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व कानसई निवासी एक व्यक्ति ने शेयर में ज्यादा नफा कमाने के लालच में 35 लाख रुपए आनलाइन गंवा दिए हैं. सुधीर गवली (51) ने शिवाजी नगर पुलिस में दो लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया है कि दोनों ने शेयर में ज्यादा नफा कमाने का लालच देकर धोखाधड़ी की है. उनका कहना है कि एक मई 2024 को उनके फेसबुक पर एक विज्ञापन आया था. उसमें कहा गया था कि उन्होंने खरीदे हुए शेयर में कैसे बढ़ोतरी होगी, उसका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा विश्लेषण करके बताया जाएगा. सुधीर ने एड पर क्लिक किया तो उनके व्हाट्स एप पर संपर्क करके 11 जून 2024 से 27 जुलाई 24 तक उनको बताया गया कि शेयर में नफा से भी ज्यादा फायदा वह दिला कर देंगे. उनसे शिवांग सिंह नामक व्यक्ति लगातार में संपर्क में था. उन्होंने सुधीर से कहा कि मीरा सिक्युरिटी के व्हाट्स एप नंबर पर संपर्क करे. इस तरह उन्होंने संपर्क करके व्हाट्स एप लिंक एवं विभिन्न बैंक एकाउंट पर ज्यादा मुनाफा देने के बहाने उनसे आनलाइन 34 लाख 67 हजार रुपयों की धोखाधड़ी की है. पुलिस ने माहिती तंत्रज्ञान अधिनियम के अनुसार अपराध दर्ज किया है. मामले की जांच पुलिस निरीक्षक तुकाराम पादीर कर रहे हैं.

शेयर में ज्यादा मुनाफा दिलाने के बहाने फ्रॉड

महाराष्ट्र में महिलाओं को सुरक्षा दी जाए

- अंबरनाथ राकांपा की ओर से किया गया आंदोलन

अंबरनाथ. महिलाओं को लाडली बहन योजना नहीं चाहिए, महिलाओं को सुरक्षा दी जाए. अंबरनाथ राष्ट्रवादी कांग्रेस ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गुरुवार को निषेध आंदोलन किया. मुख्यमंत्री ने लाडली बहन योजना शुरू की है तो दूसरी ओर राज्य में महिलाओं की सुरक्षा खतरे में आ गई है. पुराना शीलफाटा के पास महिला पर अत्याचार करके उसकी हत्या कर दी गई. राज्य में अब महिला सुरक्षित नहीं है. महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस एवं महिला राकांपा की ओर से शहर पूर्व मोतीराम पार्क में निषेध आंदोलन करके नारेबाजी की गई. राकांपा शहर अध्यक्ष सदाशिव पाटिल, महिला अध्यक्ष पूनम शेलार के नेतृत्व में आंदोलन करके नारेबाजी की गई. सदाशिव पाटिल ने कहा कि उरण में एक युवती की निर्मम हत्या कर दी गई. शीलफाटा के पास म्हात्रे नामक महिला की हत्या कर दी गई. इससे पता चलता है कि महाराष्ट्र राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं है.

POP की गणेश मूर्तियों पर प्रतिबंध कब लागू होगा?

- हाईकोर्ट का राज्य सरकार से सवाल
- तीन सप्ताह के भीतर शपथ पत्र प्रस्तुत करने का आदेश

मुंबई. प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से गणेश मूर्तियां बनाने पर प्रतिबंध को कब सख्ती से लागू करेगी और पिछले चार वर्षों में इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं? बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को इस संबंध में तीन सप्ताह के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने चार साल पहले देशभर में पीओपी की गणेश प्रतिमाएं बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने भी इस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। दो साल पहले हाईकोर्ट ने इस पर मुहर लगा दी थी. हालाँकि, जनहित में कार्यान्वयन न होने के कारण राज्य सरकार इसे लागू करने में विफल रही है।

12 मई, 2020 को ठाणे में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदूषण फैलाने वाले प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मूर्तियों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद 2022 में हाई कोर्ट ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के प्रतिबंध को बरकरार रखा था। ऐसे में गणेशोत्सव में बिक्री के लिए उपलब्ध 90 फीसदी गणेश मूर्तियां प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी होती हैं. जैसे-जैसे गणेशोत्सव नजदीक आ रहा है, सरकार केवल पीओपी प्रतिबंध के बारे में बात कर रही है। हकीकत में, प्रतिबंध को सख्ती से लागू नहीं किया गया है। याचिका के जरिए कोर्ट का ध्यान इस ओर दिलाया गया है.

याचिका पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति

अमित बोरकर की पीठ ने सरकार को फटकार लगाई. राज्य में पीओपी प्रतिबंध के लिए पर्यावरण कार्यकर्ता रोहित जोशी सहित 9 पारंपरिक मूर्तिकारों की ओर से पैरवी की। रोनिता भट्टाचार्य ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर सरकार की निष्क्रियता पर उंगली उठाई. पीठ ने सरकार, महाराष्ट्र और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुंबई-ठाणे और अन्य नगर पालिकाओं और जिला कलेक्टरों को तीन सप्ताह के भीतर एक हलफनामे के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा, जिसमें पूछा गया कि वे पीओपी प्रतिबंध कब लागू करेंगे।

12 याचिकाकर्ताओं में से 9 मूर्तिकार

याचिकाकर्ता रोहित मनोहर जोशी (ठाणे) और उनके अन्य सहयोगी हर्षद दिघे (मीरा भयंदर), सरिता खानचंदानी (उल्हासनगर), मंगेश अनंत पंडित (कलवा), नरेश चव्हाण (कल्याण), कैलास रोटाले (अमरावती), राजेंद्र गोविंद जाधव (रत्नागिरी), मारुति कुंभार, (सतारा), संतोष शहरकर (नासिक), अशोक कडु (मुंबई), श्रीकांत कुंभार (कोल्हापुर), रवीन्द्र कुंभार (अंबरनाथ), इन्होंने यह मांग दोहराई. जिसमें दिलचस्प बात यह है कि 12 याचिकाकर्ताओं में से 9 याचिकाकर्ता स्वयं गणेश मूर्तिकार हैं और 3 याचिकाकर्ता पर्यावरण कार्यकर्ता हैं.

अंबरनाथ में अण्णाभाऊ साठे जयंती मनाई गई

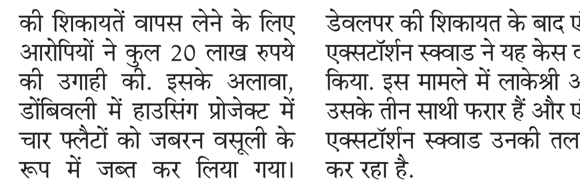

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में लोक शाहीर अण्णाभाऊ साठे की जयंती मनाई गई. नगर परिषद के स्थायी समिति सभागृह में अण्णाभाऊ साठे के प्रतिमा को पुष्पहार अर्पण करके अभिवादन किया गया. उस समय सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारी मानकर, जनसंपर्क अधिकारी महेंद्र नेरकर, विभाग प्रमुख नरेंद्र संखे, जितेंद्र केदारे, बांधकाम व जलापूर्ति विभाग के अभियंता अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे. अंबरनाथ नपा पत्रकार कक्ष में भी अण्णाभाऊ साठे की प्रतिमा को पुष्पहार अर्पण करके अभिवादन किया गया. इस समय पत्रकार सुनिल अहिरे, सीझर लॉरेंस, अजयराव चिरिविला, प्रफुल्ल थोरात, गणेश गायकवाड़, शत्रुघ्न उमप, वामन उगले आदि उपस्थित थे. सुनिल अहिरे ने कहा कि उन्होंने नगर परिषद से मांग की है कि सर्कस मैदान में बन रहे बंदिस्त नाट्यगृह का नाम अण्णाभाऊ साठे के नाम पर रखा जाए. ऐसा निवेदन उन्होंने मुख्यमंत्री एवं विधायक से भी किया है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

पहली बारिश में ही धंस गई सड़कें

बरसात अब हर वर्ष कुछ नई चुनौतियां लेकर आने लगी है। इस बार अनेक शहरों में जल भराव की वजह से जिस तरह व्यवस्थाओं की पोल खुली, वह आने वाले वर्षों के लिए बड़ी चिंता का संकेत है। उत्तर प्रदेश की विधानसभा में पानी भर गया। दिल्ली में एक कोचिंग केंद्र के तलघर में इतनी तेजी से पानी भर गया कि तीन विद्यार्थी उसमें डूब कर मर गए। जलनिकासी की व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न इस वर्ष बरसात शुरू होने के साथ ही लगने शुरू हो गए।

सबसे अधिक किरकिरी तो अयोध्या में बने नए मंदिर और दूसरी इमारतों को लेकर हुई। पहली ही बारिश में वहां की सड़कें धंस गईं, शहर में जगह जगह पानी भर गया। मुंबई और पुणे में पिछले अन्य वर्षों की तुलना में इस वर्ष जलभराव से कुछ अधिक तबाही देखी जा रही है। ऐसा नहीं माना जा सकता कि नगर निकाय और दूसरे संबंधित महकमे जलभराव की समस्या और जल निकासी के रास्तों में आने वाली अड़चनों से अनजान हैं। मगर इस समस्या के समाधान को लेकर उनमें संजीदगी नजर नहीं आती। एक तथ्य तो उजागर है कि ज्यादातर शहरों में जल निकासी का प्रबंध काफी पुराना पड़ चुका है। उनकी न तो समय पर समुचित सफाई हो पाती है और न टूट-फूट की मरम्मत। इसके अलावा, जल निकासी के रास्तों के आसपास बिजली, टेलीफोन आदि के तारों या फिर पेयजल के पाइपों की मरम्मत के लिए खुदाई होती रहती है। सड़कों की मरम्मत के समय भी जल निकासी के रास्तों का ध्यान नहीं रखा जाता।

इस तरह उन मार्गों में टूट-फूट होती रहती है, उनमें ठोस मलबा भरने से जल निकासी अवरूद्ध होती है। नतीजा, सामान्य से अधिक बारिश होते ही सड़कें और मुहल्ले जलमग्न हो जाते हैं। बरसात के पानी का संचय करने का प्रस्ताव पुराना है, मगर उस तरफ भी ध्यान नहीं दिया जाता। अगर जगह-जगह बरसाती पानी को जमीन के अंदर भेजने का प्रबंध कर दिया जाए, तो इससे जलभराव की समस्या तो कुछ कम होगी ही, भूजल का स्तर भी सुधरेगा। मगर जब नालों और नालियों की सफाई में गंभीरता नहीं दिखती, तो वर्षा जल संचय की योजनाओं को लेकर कितनी उम्मीद की जा सकती है।

संविधान की नौवीं अनुसूची और आरक्षण

सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण संबंधी मामले में पटना हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। बिहार सरकार ने शीर्ष अदालत में दावा किया था कि राज्य द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण ने 1992 के इंद्रा साहनी फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा को तोड़ने के लिए आवश्यक सामाजिक परीक्षण मापदंडों को पर्याप्त रूप से संतुष्ट किया है।

पटना हाईकोर्ट ने 20 जून को बिहार पदों और सेवाओं में रिक्तियों के आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) संशोधन अधिनियम, 2023 और बिहार आरक्षण (शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में) संशोधन अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को स्वीकार कर लिया था और दोनों कानूनों को भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (भेदभाव के खिलाफ अधिकार) और 16 (रोजगार में भेदभाव के खिलाफ अधिकार) का उल्लंघन माना था।

संविधान के अनुच्छेद 15(4) में, 'नागरिकों के किसी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों की उन्नति के लिए विशेष प्रावधान' करने का अधिकार दिया। अनुच्छेद 15 और 16 में महत्वपूर्ण शब्द 'केवल' है-जिसका अर्थ है कि यदि कोई धार्मिक, नस्लीय या जाति समूह अनुच्छेद 46 के तहत 'कमजोर वर्ग' का गठन करता है, तो वह अपनी उन्नति के लिए विशेष प्रावधानों का हकदार होगा। इस विशेष प्रावधान का अर्थ मुख्यतः आरक्षण है। देश में आरक्षण को लेकर अक्सर विवाद होता रहा है। इसलिए कई राजनीतिक दल आरक्षण पर बार-बार होने वाले विवाद को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए आरक्षण संबंधी सभी कानूनों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं।

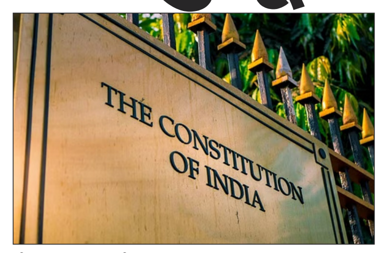

बिहार में 65 फीसदी आरक्षण, ऐतिहासिक इंद्रा साहनी बनाम भारत संघ के फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करता है। हालांकि, किसी कानून को नौवीं अनुसूची में रखने से उसे न्यायिक जांच से बचाया जा सकता है। तमिलनाडु पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (शैक्षणिक संस्थानों में सीटों का आरक्षण और राज्य के अधीन सेवाओं में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण) अधिनियम, 1993, कॉलेजों और राज्य सरकार की नौकरियों में 69 प्रतिशत सीटें आरक्षित करता है। तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है, जहां पर सबसे अधिक 69 प्रतिशत आरक्षण है और यह व्यवस्था संविधान की नौवीं अनुसूची का हिस्सा है। 20वीं सदी की शुरुआत में उभरा द्रविड़ आंदोलन प्रभुतासंपन्न समुदाय के खिलाफ शक्तिशाली भूमिधारक वर्गों का था, जो सत्ता के ज्यादातर पदों पर काबिज थे। पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन को लगा कि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए, पर तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने विभिन्न दलों के साथ मिलकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव से मिलने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और अंततः आरक्षण प्रावधान को नौवीं अनुसूची में शामिल करवाया। हालांकि वर्ष 2007 में नौवीं अनुसूची को भी चुनौती दी गई (आई आर कोएलो बनाम तमिलनाडु राज्य), लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वसम्मति से नौ न्यायाधीशों के आधार पर फैसला सुनाया कि नौवीं अनुसूची के तहत रखे गए कानूनों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती, लेकिन उन्हें संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करने के आधार पर चुनौती दी जा सकती है। नौवीं अनुसूची में केंद्रीय और राज्य कानूनों की सूची है, जिन्हें अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती। वर्तमान में 284 कानून न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित हैं।

वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ सरकार ने 58 प्रतिशत आरक्षण का दायरा बढ़ाते हुए राज्य में 72 प्रतिशत का दायरा बढ़ाया था। इस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। इसके बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में उच्च कोटा प्रदान करने वाले दो संशोधन विधेयकों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की है। ऐसे ही झारखंड सरकार ने विधानसभा में एक विधेयक पारित किया था, जो राज्य में रिक्त सरकारी पदों और सेवाओं में आरक्षण बढ़ाकर 77 प्रतिशत करने से संबंधित था।

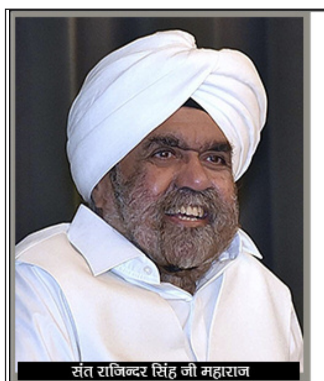

जब हम किसी की सहायता करते हैं, तो हमारा हृदय विशाल होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जीवन बीमा से टैक्स खत्म करने की मांग

अनेक वस्तुओं और सेवाओं पर माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी की असंगत दरों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। विपक्षी दल अक्सर सरकार पर निशाना साधते हैं, मगर अभी तक इसे लेकर कोई व्यावहारिक और सर्वमान्य पैमाना तय नहीं हो सका है। अब सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वित्तमंत्री को पत्र लिख कर जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा पर से जीएसटी हटाने की मांग की है। फिलहाल इस पर अठारह फीसद जीएसटी लागू है।

दरअसल, नागपुर मंडल के बीमा एजंटों के संघ ने गडकरी को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा था। उसी के संदर्भ में उन्होंने वित्तमंत्री से स्वास्थ्य बीमा पर से जीएसटी हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि स्वास्थ्य बीमा को सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर सुविधाजनक बनाने की जरूरत है, ताकि बुजुर्गों और दूसरे लोगों को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इससे पहले जून में देश भर के बीमा एजंटों के संघ ने वित्तमंत्री से अपील की थी कि वे बीमा पर से जीएसटी की दरें घटा कर पांच फीसद कर दें, ताकि बीमा ग्राहकों पर इसके मासिक भुगतान का भार कुछ कम हो सके। मगर पिछली जीएसटी की बैठक में इस पर कोई विचार नहीं किया गया। अब सरकार के एक केंद्रीय मंत्री की अपील पर शायद इस दिशा में कोई सकारात्मक नतीजा निकले।

बीमा एजंटों का तर्क है कि पिछले पांच वर्षों में स्वास्थ्य और अन्य बीमाओं का 'प्रीमियम' दो गुना बढ़ गया है। जीएसटी लगने से उन पर अतिरिक्त बोझ

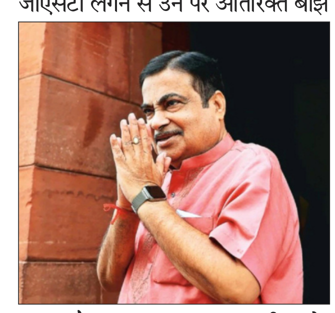

पड़ता है। इस तरह स्वास्थ्य बीमा के नवीकरण में गिरावट दर्ज हो रही है। स्वास्थ्य बीमा नवीकरण की दर 65 से 75 फीसद तक ही रह गई है। जाहिर है, बीमा का प्रीमियम बढ़ने से बहुत सारे लोग उनका नवीकरण नहीं करा रहे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बहुत सारे लोग नया बीमा खरीदने से भी हिचकते होंगे।

कुछ महीने पहले सरकार ने स्वास्थ्य बीमा सुविधाओं को व्यापक बनाने के मकसद से इसे सत्तर वर्ष से ऊपर के लोगों के लिए खरीदने का रास्ता भी खोल दिया था। मगर जब बीमा का मासिक भुगतान उनकी क्षमता से बाहर रहेगा, तो भला कैसे वे इसका लाभ उठा पाएंगे। वैसे भी सामाजिक सुरक्षा संबंधी योजनाओं की पहुंच सभी तक नहीं है। नई पेंशन योजना के बाद से बड़ी संख्या में लोगों के पास बढ़ती उम्र में इलाज पर खर्च करने की क्षमता नहीं रह गई है। तिस पर अगर सरकार स्वास्थ्य बीमा को भी उनकी पहुंच से बाहर कर देगी, तो इलाज पर निरंतर बढ़ते खर्च के बीच वे कैसे अपनी स्वास्थ्य देखभाल कर पाएंगे।

जीएसटी लागू करते समय दावा किया गया था कि हर वर्ष इसकी दरों में संशोधन होगा और घटते-घटते वे काफी कम हो जाएंगी। मगर इतने वर्षों में अनेक समीक्षाओं के बाद भी जीएसटी की दरों को तर्कसंगत नहीं बनाया जा सका है। शुरू में जब जीएसटी का विचार पेश किया गया था तब इसकी अधिकतम दर अठारह फीसद रखने का वादा था, मगर फिलहाल इस दर के दायरे में ही ज्यादातर वस्तुएं और सेवाएं हैं। बहुत सारी चीजों पर इससे ऊंची दरें हैं। अब राज्यों के हिस्से के घाटे की भरपाई का दबाव भी केंद्र सरकार पर नहीं है। इसके बावजूद स्वास्थ्य बीमा जैसी हर नागरिक के लिए जरूरी सुविधाओं पर भी जीएसटी दरें घटाने या हटाने पर विचार नहीं किया जाता। लचर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के बीच यह आम नागरिकों पर अतिरिक्त मार ही है।

उदयपुर की ऐसी बाड़ी जहां पुरुषों का जाना था मना

उदयपुर में घूमने की बहुत-सी जगहें हैं. लेकिन सहेलियों की बाड़ी अलग है. महारानी के लिए राजा

जरा हट के

ने इस बाड़ी को बनवाया था. सालों की मेहनत के बाद इस बाड़ी को तैयार किया गया. बेहद खूबसूरत वास्तुकला और हरियाली यहां देखने के लिए मिलती है. इस बाड़ी को तैयार करने के लिए उस वक्त ऐसा तकनीक का इस्तेमाल हुआ था कि आज भी लोग देख कर हैरान रह जाते हैं. इस आर्टिकल में जानें इस बाड़ी से जुड़ी हर-छोटी बड़ी बात.

टूर गाइड नारायण सालवी बताते हैं कि सहेलियों की बाड़ी को महाराणा संजय सिंह ने 1710-1734 में बनवाया था. इस बाड़ी को महारानी और उनकी 48 सहेलियों के लिए बनवाया गया था इसलिए इसे 'सहेलियों की बाड़ी' कहा जाता है. लोग इसे मेडन्स गार्डन के नाम से भी जानते हैं. बाड़ी में बाग, फव्वारे, मार्बल स्तंभ और संगमरमर का इस्तेमाल देखने के लिए मिलता है. इसका डिजाइन हिन्दू और मुघल वास्तुकला से बना है. यह

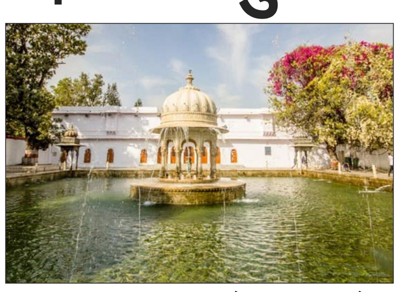

गार्डन लगभग 6.5 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है. इसमें एक गार्डन में एक संग्रहालय भी है, जहां इतिहास से जुड़ी दिलचस्प जानकारी मिलती है.

सहेलियों की बाड़ी में कई खूबसूरत फव्वारे हैं, जिन पर शानदार और यूनीक डिजाइन देखने के लिए मिलते हैं. इस वजह से बाड़ी हमेशा ताजगी का एहसास देती है. यहां के लोटस पूल भी है, जो हरी-भरी हरियाली से घिरा है और संगमरमर से बना है. इस बाड़ी में संगमरमर के पत्थर से ढेर सारे हाथी भी बने हैं, जो आपको बाड़ी के किनारों पर लगे दिखेंगे. बाड़ी में छोटे-बड़े ढेर सारे आंगन हैं, जहां कमाल की वासतुकला फूल, पौधे, पेड़ और झाड़ियों से घिरी दिखेगी. सहेलियां की बाड़ी में महारानी अपनी सहेलियां के साथ समय बिताती थीं. इस दौरान सभी एक साथ मिलकर बागवानी करती थीं. सभी एक दूसरे को गाने और कविता सुनाया करे थे.

उम्र से पहले चेहरे-गर्दन की स्किन हो रही है ढीली?

उम्र के साथ स्किन पर फाइन लाइन्स या झुर्रियां आना स्वाभाविक है, लेकिन अगर चेहरे पर 20 साल की उम्र में 40 जैसे लक्षण दिखने लगें तो स्किन केयर में लापरवाही इसकी वजह हो सकती है. यहां हम कुछ घरेलू उपाय बता रहे हैं, जो जेनरेशन से स्किन को यंग बनाए रखने के लिए किया जाता रहा है.

- **उम्र से पहले चेहरे-गर्दन की स्किन हो रही है ढीली?**
- **मम्मी के बताएं घरेलू तरीके आएंगे काम**

आप अंडे की सफेदी की मदद से एजिंग प्रोसेस को धीमा कर सकते हैं. अंडे की सफेदी में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा में कसाव लाने में मदद कर सकती है. इसका इस्तेमाल करने के लिए आप एक कटोरी में फेंटे हुए अंडे की सफेदी को लें और कॉटन या ब्रश की मदद से इसे अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं. 15-20 मिनट के लिए इसे स्किन पर रहने दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें.

इसके अलावा, केले की मदद से भी स्किन पर कसाव लाया जा सकता है. केले में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, मिनरल्स और विटामिन्स पाए जाते हैं, जो स्किन पर एजिंग के लक्षण को कम करने का काम कर सकता है. इसका

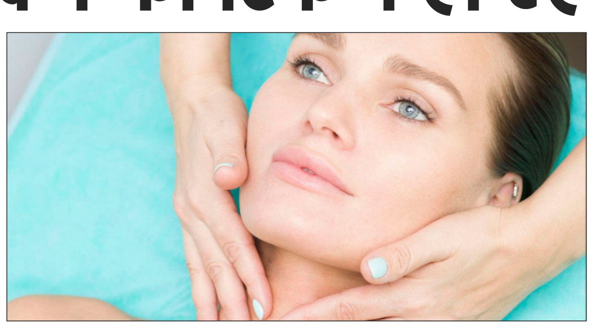

मास्क बनाने के लिए आप पके केले को मैश करें और चेहरे पर लगाएं. 15 मिनट बाद चेहरे को क्लीन कर लें. आपकी स्किन में फ्लेक्सिबिलिटी आएगी और स्किन पर ग्लो भी बढ़ेगा.

दही और शहद का मास्क भी स्किन की ड्राइनेस को दूर करता है और एजिंग के रफ्तार को कम करता है. इसे बनाने के लिए एक से दो चम्मच दही लें और इसमें कुछ बूंद शहद को मिलाकर एक पेस्ट बनाएं. अब इसे अपने चेहरे गर्दन पर लगाएं. दरअसल, दही में लैक्टिक एसिड पाया जाता है जो त्वचा पर कसाव लाने और एक्सफोलिएट करने में मदद करता है. जबकि शहद मॉइस्चराइजिंग और पौष्टिकता से भरपूर होता है.

पपीते का मास्क ना केवल चेहरे पर इंस्टेंट ग्लो लाता है, यह चेहरे पर खिंचाव लाने एजिंग को कम करने का काम भी करने में मदद कर सकता है. इसे इस्तेमाल करने के लिए आप एक पका हुआ पपीता लें और अच्छी तरह से मैश कर पेस्ट बनाएं. अब इसे चेहरे व गले पर लगाएं. दरअसल, पपीते में एंजाइम और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होता है जो त्वचा को कसने में मदद कर सकते हैं.

आप जैतून, बादाम और नारियल के तेल की मदद से भी स्किन पर एजिंग के लक्षण को कम कर सकते हैं. इसके लिए आपके पास इनमें से जो भी तेल हो, उसकी मालिश स्किन पर करें. बता दें कि हमेशा वर्जिन ऑयल लें. इनमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स और गुड फैट होता है जो नरिश करने पोषण देने और लचीला बनाए रखने का काम करते हैं.

टेस्टी तुवर दाल

सामग्री :

तुवर की दाल बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी जैसे तुवर दाल, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया पत्ती, हींग, जीरा, राई, दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला और पसंद अनुसार दूसरे चाट मसाले. इन सभी सामग्री का इस्तेमाल कर टेस्टी तुवर दाल बना सकते हैं.

तुवर दाल बनाने का तरीका :

तुवर की दाल बनाने के लिए आप दाल को कुकर में पानी डालकर पका लें. जब दाल अच्छी तरीके से पक जाए, तो एक पैन में तेल गर्म करें, उसमें जीरा और राई डालकर तड़का लगा लें. अब आप इसमें हींग डाल दे, ताकि दाल में हींग का टेस्ट आए. अब आप इसमें लहसुन, बारीक कटे प्याज, टमाटर और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह इन सब को भून सकते हैं. लहसुन, प्याज, हरी मिर्च, टमाटर की वजह से आपकी दाल और ज्यादा टेस्टी लगेगी.

दही का करें इस्तेमाल :

अपनी दाल को और ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के लिए आप इसमें दही को फैटकर, उसे दाल में डाल सकते हैं. दही की वजह से दाल में हल्का खट्टापन आएगा और दाल टेस्टी लगेगी. इसके अलावा आप गरम मसाला सहित हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर जैसे मसाले डाल दें. आप इसमें तेज पत्ता भी डाल सकते हैं, ताकि आपकी दाल और ज्यादा टेस्टी लगे.

जब ये सभी मसाले अच्छी तरह से पक जाएं. तब इसमें कुकर में पकी हुई दाल डालकर थोड़ा पानी डालकर अच्छी तरह उबाल ले. अब इसे एक बर्तन में निकालकर ऊपर से धनिया पत्ती डालकर मेहमानों को या फिर परिवार वालों को ये दाल परोस सकते हैं. इस दाल को और ज्यादा टेस्टी बनाने के लिए आप बाजार के कई मसले ट्राई कर सकते हैं.

बैक पेन की वजह और उपाय

बैक पेन की दिक्कत आज की लाइफ-स्टाइल में बहुत ही आम है. कम उम्र के लोगों को भी पीठ और कमर दर्द की परेशानी से गुजरना पड़ता है. जिससे निजात पाने के लिए बहुत लोग तरह-तरह की दवाएं भी लेते हैं लेकिन बैक पेन से स्थाई तौर पर राहत नहीं मिल पाती है. ऐसे में आप चाहें तो वेबएमडी द्वारा बताये गए कुछ टिप्स को फॉलो कर सकते हैं.

एक्सरसाइज करें

अगर आपकी पीठ दर्द कर रही है, तो इससे निजात पाने का बेहतर तरीका एक्सरसाइज करना हो सकता है. दरअसल डेली फिजिकल एक्टिविटी सूजन और मांसपेशियों के तनाव को कम करने में मदद कर सकती है. इसलिए अपने डॉक्टर से पीठ की मजबूती वाले व्यायामों के बारे में पूछें और इनको रुटीन में शामिल करें.

स्मोकिंग छोड़ें

अगर आप धूम्रपान करते हैं तो बैक पेन से रिलीफ के लिए इसको छोड़ना आपके लिए बेहतर होगा. बता दें कि धूम्रपान स्पाइनल डिस्क में पोषक तत्वों से भरे खून के प्रवाह को रोकता है. जिससे स्मोकिंग करने वालों को विशेष रूप से पीठ दर्द का खतरा होता है. बैक पेन से छुटकारा पाने के लिए जरूरी है कि धूम्रपान को बंद कर दिया जाये.

खड़े होते समय पोस्चर पर ध्यान दें

अपने पोस्चर पर भी आपको ध्यान देने की जरूरत है. इसके लिए सबसे पहले अपनी एड़ियों को दीवार से सटाकर खड़े होकर अपनी मुद्रा को चेक करें. ध्यान दें कि आपकी पिंडलियां, नितंब, कंधे और सिर का पिछला हिस्सा दीवार को छूना चाहिए. इसके साथ ही आपका हाथ अपनी पीठ के निचले हिस्से के पीछे सरकाने में भी सक्षम होना चाहिए. जब भी आप कहीं खड़े हों तो इस पोस्चर को ध्यान में रखें.

सीट का भी ख्याल रखें

पीठ दर्द को रोकने के लिए जरूरी है कि अच्छी कुर्सी का चुनाव किया जाये. इसके लिए आप ऐसी कुर्सी का इस्तेमाल करें जिस पर बैठने से आपकी पीठ सीधी रहे और पीठ के निचले हिस्से को सहारा मिल सके. आपकी कुर्सी का पिछला हिस्सा लगभग 110 डिग्री के कोण पर होना चाहिए. अगर जरूरी लगे तो कुशन या पैड का इस्तेमाल करें और अपने पैरों के नीचे स्टूल रखें.

कम्प्यूटर डेस्क पर ध्यान दें

अगर आप कंप्यूटर पर काम करते हैं, तो अपने कंप्यूटर मॉनिटर को अपने सामने लगभग एक हाथ की दूरी पर रखें. मॉनिटर का ऊपरी हिस्सा आपकी आंखों के लेवल से लगभग 2 से 3 इंच ऊपर होना चाहिए. अगर आप बाइफोकल्स चश्मा पहनते हैं, तो अपने मॉनिटर को थोड़ा नीचे करना आपके लिए सुविधाजनक हो सकता है. काम के बीच में हर10 मिनट पर कम से कम 20 सेकंड का ब्रेक लें.

बच्चों के स्कूल के लिए खरीदना है टिफिन?

स्कूल खुले हुए काफी दिन बीत चुके हैं, लेकिन बहुत से बच्चों के स्कूल के सामान की खरीददारी अभी भी चल रही है. कुछ बच्चे ऐसे भी हैं, जो पुराने लंच बॉक्स और वॉटर बॉटल से काम चला रहे हैं. अगर आप भी अपने बच्चे के लिए नया लंच बॉक्स खरीदने जाने वाले हैं तो कुछ बातों का ध्यान आपको जरूर रखना चाहिए.

ज्यादा टाइट या लूज लंच बॉक्स न खरीदें: टिफिन खरीदते समय बहुत लोग इसको खोलकर नहीं देखते हैं. जिससे कई बार टाइट या लूज ढक्कन वाला लंच बॉक्स भी घर आ जाता है. इसलिए लंच बॉक्स खरीदते समय इसको खोलकर और बंद करके जरूर देखना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि टाइट लंच बॉक्स को खोलना कई बार बच्चों के लिए मुश्किल भरा काम हो जाता है. तो वहीं लूज ढक्कन वाले लंच बॉक्स से खाना बाहर गिर सकता है.

प्लास्टिक लंच बॉक्स न खरीदें: प्लास्टिक के लंच बॉक्स में खाना रखना बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है. दरअसल जब गर्म खाना प्लास्टिक के टिफिन में रखा जाता है तो प्लास्टिक में मौजूद कैमिकल

खाने को इफेक्ट करते हैं. जो बच्चों की हेल्थ के लिए सही नहीं है. ऐसे में प्लास्टिक का लंच बॉक्स या बॉटल खरीदने से आपको बचना चाहिए.

स्टील लंच बॉक्स खरीदें: बच्चों के लिए स्टील का लंच बॉक्स खरीदना बेहतर रहता है. आज कल बाजार में स्टील के तरह-तरह के स्टाइलिश लंच बॉक्स मिलते हैं, जिनमें से आप अपनी पसंद का लंच बॉक्स खरीद सकते हैं. दरअसल स्टील के लंच बॉक्स को कैरी करना बच्चों के लिए काफी आसान होता है. अगर कभी बच्चे के हाथ से लंच बॉक्स नीचे गिर भी जाए तो इसके टूटने का डर नहीं रहता है.

इंसुलेटेड बैग लंच बॉक्स है बेहतर: खाना लंच समय तक गर्म बना रहे और खाने के टिफिन से बाहर गिरने का डर न रहे. इसके लिए इंसुलेटेड बैग वाला लंच बॉक्स खरीदना बेहतर हो सकता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मिथुन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है।

कर्क : कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम के कार्य टालें।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। किसी से विवाद हो सकता है।

कन्या : धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला : कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक : आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

धनु : भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी न करें।

मकर : आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुंभ : पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

गर्भपात के गुप्त अड्डे का पर्दाफाश

आगरा. यूपी के आगरा में स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को अछनेरा में अवैध गर्भपात केंद्र का पर्दाफाश किया है। यहां बिना लाइसेंस, डाक्टर, स्टाफ के गर्भपात कराए जाते थे। इस काम में लिप्त दो महिलाओं को भी हिरासत में लिया है। दोनों के खिलाफ मुकदमा कायम कराया गया है। गर्भपात के इस गुप्त अड्डे से 62 तरह की दवाइयां और सामान मिला है। यह सामान बेड, वाशिंग मशीन आदि में छिपाकर रखा गया था। केंद्र से शन्नो नाम की एक महिला पकड़ी गई है जो पहले बाबी के नाम से जानी जाती थी। विभाग को इस बारे में कई शिकायतें मिली थीं। इस पर सीएचसी प्रभारी ने पुलिस के साथ गुलाब नगर के एक घर में छापेमारी को अंजाम दिया। इस मकान के बाहर किसी तरह का बोर्ड आदि नहीं लगा था। दो मंजिल का यह मकान पूरी तरह गर्भपात के लिए किराए पर ले रखा था। छापेमारी के दौरान मकान के अंदर से गर्भपात कराने की दवाइयां, उपकरण, जांच की किटें आदि बरामद की गईं। यहां संचालिका शन्नो और बाबी पाई गईं। दोनों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

रस्सी से गला घोंटा, फिर जिंदा दफनाया, अचानक कब्र से बाहर निकल आया युवक

आगरा. आपने अभी तक फिल्मों में ऐसा देखा होगा किसी को जिंदा दफनाया और वह कब्र से बाहर निकल आया। ऐसी ही एक अचंभित कर देने वाली यूपी के आगरा जिले के सिकंदरा के अरतौनी क्षेत्र में भी देखने को मिली। हमलावरों ने एक युवक का गला दबाकर उसे जिंदा जमीन में दफना दिया। युवक जिंदा था, फिर अचानक से वह कब से बाहर निकल आया। युवक को जिंदा देखकर लोग हैरत में पड़ गए। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। कब्र से निकला युवक 13 दिन अस्पताल में भर्ती रहा। अब वह मौत से जंग जीत चुका है। घटना में 13 दिन बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ भी लिया है।

स्कूल वैन के ड्राइवर की घिनौनी करतूत

यूपी के बाराबंकी जिले में रामनगर थाना क्षेत्र स्थित एक स्कूल में पढ़ने वाली एलकेजी की 5 वर्षीय छात्रा के साथ स्कूल वैन के ड्राइवर ने छेड़छाड़ की। छात्रा की शिकायत पर पिता ने ड्राइवर के खिलाफ थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। स्कूल ड्राइवर फरार है। रामनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी छात्रा महादेव स्थित एक स्कूल में एलकेजी में पढ़ती है। स्कूल आने जाने के लिए माता-पिता द्वारा स्कूल वैन को लगाया गया था। थाने में दी गई तहरीर में पीड़ित पिता ने कहा है कि बुधवार की रात को उसकी मासूम पुत्री प्राइवेट पार्ट में भीषण दर्द होने के कारण रो रही थी। उसकी मां ने उससे पूछा तो उसने बताया कि स्कूल वैन के ड्राइवर उमाकांत यादव उसके साथ अश्लील हरकत करते हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज, दावा- ईदगाह गर्भगृह की जमीन पर

मथुरा. मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार (1 अगस्त) को यह फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिकाएं एक साथ सुनी जाएंगी। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं में दावा किया गया है कि शाही ईदगाह का ढाई एकड़ का एरिया मस्जिद नहीं है। वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि का गर्भगृह है। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि 1968 में हुए समझौते के तहत मस्जिद के लिए जगह दी गई थी। 60 साल बाद समझौते को गलत बताना ठीक नहीं।

SC-ST आरक्षण के भीतर कोटे को मान्यता

नई दिल्ली. SC/ST आरक्षण के भीतर अब कोटा मान्य होगा, ये फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया है. सीजेआई जस्टिस चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली 7 जजों की बेंच ने गुरुवार को अपना फैसला सुनाते हुए ये साफ कर दिया कि राज्यों के भीतर नौकरियों में आरक्षण देने के लिए कोटा के भीतर कोटा दिया जा सकता है. 2004 के फैसले के बाद सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला बहुत ही अहम है.

अदालत ने क्या कहा?

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उपवर्गीकरण का आधार राज्य के सही आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए.
- इस मामले में राज्य अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकते.
- जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि जमीनी हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता,
- एससी/एसटी के भीतर ऐसी श्रेणियां हैं, जिन्हें सदियों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है.
- एससी/एसटी के सदस्य अक्सर प्रणालीगत भेदभाव की वजह से सीढ़ी पर चढ़ने में सक्षम नहीं होते हैं.
- अनुच्छेद 14 जाति के उप वर्गीकरण की अनुमति देता है.
- अदालत को यह जांचना चाहिए कि क्या वर्ग समरूप है और किसी उद्देश्य के लिए एकीकृत नहीं किए गए वर्ग को आगे वर्गीकृत किया जा सकता है.

आरक्षण के भीतर आरक्षण क्या है ?

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण के लिए उप-वर्गीकरण को "कोटा के भीतर कोटा" कहा जाता है. यानी कि अगर एक समुदाय या श्रेणी के लोगों को आरक्षण दिया जा रहा है तो उसी श्रेणी का उप वर्गीकरण करके उनके बीच आरक्षित सीटों का बंटवारा करना. उदाहरण के तौर पर अगर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षण 15 प्रतिशत तय है तो इस वर्ग में शामिल जातियों और उनके सामाजिक, आर्थिक पिछेड़ेपन के आधार पर अलग-अलग आरक्षण देना.

बीआर अंबेडकर के भाषण का हवाला

अदालत ने कहा, हालांकि आरक्षण के बावजूद निचले तबके के लोगों को अपना पेशा छोड़ने में कठिनाई होती है. जस्टिस बी आर गवई ने सामाजिक लोकतंत्र की आवश्यकता पर दिए गए बीआर अंबेडकर के भाषण का हवाला देते हुए कहा कि पिछड़े समुदायों को प्राथमिकता देना राज्य का कर्तव्य है, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के केवल कुछ लोग ही आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं. उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि एससी/एसटी के भीतर ऐसी श्रेणियां हैं जिन्हें सदियों से उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है. उप-वर्गीकरण का आधार यह है कि एक बड़े समूह में से एक ग्रुप को अधिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है.

2004 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा था?

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2004 के फैसले में कहा था कि राज्यों के पास आरक्षण देने के लिए SC/ST की सब कैटेगरी करने का अधिकार हीं है. अदालत के सामने अब मुद्दा एक बार फिर से कोटे के भीतर कोटे का था. अब अदालत ने साफ कर दिया है कि कोटा के भीतर कोटा दिया जा सकता है.

वायनाड में अब तक 276 मौतें

- **राहुल-प्रियंका कुन्नूर पहुंचे, रिलीफ कैंप जाएंगे,**
- **विजयन का आरोप- मौसम विभाग से रेड अलर्ट नहीं मिला**

वायनाड. केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 276 हो गई हैं। 130 लोग अस्पताल में हैं, जबकि 240 से ज्यादा लोग आज तीसरे दिन भी लापता हैं। मौसम विभाग ने आज (गुरुवार को) फिर से वायनाड में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने फिर से कुछ जगहों पर लैंडस्लाइड का खतरा जताया है। ड्रोन, NDRF, SDRF, स्नीफर डॉग्स के साथ रेस्क्यू आपरेशन जारी है। भारी बारिश के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। पूरी रात काम करने के बावजूद सेना बेली ब्रिज का काम पूरा नहीं कर पाई है। फिलहाल पुल बनाने का काम अंतिम चरण में है। लैंडस्लाइड सोमवार देर रात करीब 2 बजे और मंगलवार सुबह 4 बजे के बीच मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में हुई थीं। इनमें घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां बह गईं थीं। बुधवार देर रात तक 1592 लोगों का रेस्क्यू किया गया, 3 हजार लोगों को राहत शिविर में भेजा गया है। राहुल गांधी कुछ देर में वायनाड पहुंचेंगे। उनकी स्पेशल फ्लाइट कुन्नूर पहुंच गई है। यहां से वह सड़क मार्ग से वायनाड जाएंगे। वह प्रियंका गांधी के साथ रिलीफ कैंप में पीड़ितों से मुलाकात करेंगे। राहुल वायनाड और रायबरेली से लोकसभा चुनाव जीते थे। उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी थी। अब प्रियंका वायनाड से चुनाव लड़ने वाली हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में बताया- 23-24 जुलाई को ही केरल सरकार को अलर्ट किया गया था, सरकार समय रहते लोगों को हटाती तो इतना नुकसान नहीं होता। इस पर केरल CM विजयन ने कहा- जब ऐसा कुछ होता है, तो आप दूसरों पर दोष मढ़कर जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। IMD ने त्रासदी से पहले एक बार भी रेड अलर्ट जारी नहीं किया।

सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के 21वें राज्यपाल के रूप में ली शपथ

मुंबई. वरिष्ठ राजनेता सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को यहां राजभवन में महाराष्ट्र के नये राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण किया। वह 1960 में गठन के बाद से राज्य के 21वें राज्यपाल हैं। इससे पहले वह झारखंड के राज्यपाल थे।बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने एक भव्य समारोह में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार, तथा अन्य मंत्री और शीर्ष नागरिक तथा पुलिस अधिकारी मौजूद थे। पूर्व राज्यपाल रमेश बैस के स्थान पर नियुक्त किए गए नए राज्यपाल को भारतीय नौसेना ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

इससे पहले वह लगभग 18 महीने तक झारखंड के राज्यपाल थे। उन्होंने तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था। कुछ समय के लिए उन्होंने पुडुचेरी के उपराज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। तमिलनाडु के तिरुपुर में 4 मई 1957 को जन्मे राधाकृष्णन व्यवसाय प्रशासन में स्नातक हैं। उनके पास अपने गृह राज्य में चार दशकों से अधिक का राजनीतिक अनुभव है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से शुरुआत करते हुए वह 1974 में भाजपा के पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य बने।

वह 1996 में तमिलनाडु भाजपा के सचिव बने और 1998 तथा 1999 में कोयंबटूर से लोकसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 2004 में न्यूयॉर्क में संसदीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। वह 2004-2007 तक तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष रहे।

उस समय उन्होंने विभिन्न सार्वजनिक और सामाजिक कारणों जैसे नदियों की माला परियोजना, आतंकवाद की समाप्ति, एक समान नागरिक संहिता, नशीली दवाओं की समस्या और अस्पृश्यता उन्मूलन जैसे सामाजिक मुद्दों के लिए 19 हजार किलोमीटर लंबी एक बड़ी रथ यात्रा की।

पूजा खेडकर अब IAS अफसर नहीं

- **UPSC ने सिलेक्शन रद्द किया**
- **कोई एग्जाम भी नहीं दे पाएंगी**
- **पहचान बदलकर परीक्षा दी थी**

नई दिल्ली. ट्रेनी IAS पूजा खेडकर अब अफसर नहीं रहेंगी। UPSC ने बुधवार 31 जुलाई को उनका सिलेक्शन रद्द कर दिया और कहा कि वह भविष्य में UPSC का कोई एग्जाम नहीं दे पाएंगी। पूजा पर उम्र, माता-पिता की गलत जानकारी, पहचान बदलकर तय सीमा से ज्यादा बार सिविल सर्विसेस का एग्जाम देने का आरोप था। UPSC ने दस्तावेजों की जांच के बाद पूजा को सीएसई-2022 नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया।

पूजा को एग्जाम में 2022 में 841वीं रैंक मिली थी। वे 2023 बैच की ट्रेनी IAS हैं। जून 2024 से ट्रेनिंग कर रही थीं।

पूजा ने रूल्स तोड़ेः UPSC ने बताया कि पहचान बदलकर तय सीमा से ज्यादा बार सिविल सर्विसेस का एग्जाम देने के लिए 18 जुलाई को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया गया था। इसमें कहा गया है कि पूजा को 25 जुलाई तक अपना जवाब देना था, लेकिन उन्होंने अपने जवाब के लिए जरूरी दस्तावेज जुटाने के लिए 4 अगस्त तक का समय मांगा। आयोग ने कहा, उन्हें फिर 30 जुलाई को दोपहर 3:30 बजे तक समय दिया, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- क्या CM हाउस में गुंडे होने चाहिए

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में CM केजरीवाल के PA बिभव कुमार की जमानत पर सुनवाई की।

इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री का आवास निजी बंगला है। हमें इस बात की हैरानी है कि क्या इस तरह के गुंडे को सीएम आवास में काम करना चाहिए।

कोर्ट ने बिभव के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से तीखे सवाल किए। बेंच ने पूछा- बिभव को पीड़ित की फिजिकल कंडीशन पता थी, लेकिन यह आदमी उसे पीटता रहता है। उसे क्या लगता है, सत्ता उसके सिर पर चढ़ गई है। इसके बावजूद भी आप उसकी पैरवी कर रहे हैं।

बेंच ने बिभव की जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली पुलिस को भी नोटिस जारी किया है। साथ ही मामले की चार्जशीट पढ़ने के लिए समय लेते हुए सुनवाई 7 अगस्त तक के लिए टाल दी है।

झारखंड विस से बीजेपी के 18 विधायक निलंबित

शुक्रवार दोपहर 2 बजे तक के लिए सस्पेंड; नेता प्रतिपक्ष बोले- सरकार के इशारे पर हुई कार्रवाई

रांची. झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पांचवें दिन भी हंगामा हुआ। सुबह कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी के विधायकों ने हंगामा किया। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र महतो ने बीजेपी के 18 विधायकों को मानसून सत्र से 2 दिन के लिए निलंबित कर दिया है। 2 अगस्त दोपहर 2 बजे तक के लिए विधायकों को सस्पेंड किया गया है।

इनमें विरंची नारायण, अनंत ओझा, रणधीर सिंह, नवीन जायसवाल, नारायण दास, केदार हाजरा, किशुन दास, सीपी सिंह, अमित मंडल, कोचे मुंडा, भानु प्रताप शाही, शशिभूषण मेहता, अलोक चौरसिया, पुष्पा देवी, नीरा यादव, अपर्णा सेनगुप्ता, राज सिन्हा, समरी लाल शामिल हैं। स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो ने भाजपा के 22 में से इन 18 विधायकों को सदन के अनुरूप आचरण नहीं करने, सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने और अवमानना के आरोपों में निलंबित किया है। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने 12.30 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया था।

स्पीकर की इस कार्रवाई को नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने लोकतंत्र की हत्या बताया है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के विधायक सुदिव्य सोनु के कहने पर स्पीकर ने अमर्यादित तरीके से बीजेपी के सभी सदस्यों को सस्पेंड किया है।

निलंबित होने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने सरकार के इशारे पर ये काम किया है। ये सरकार निरंकुश हो चुकी है। पहले पत्रकारों को सदन में आने से रोका।

पेरिस ओलिंपिक में भारत को तीसरा मेडल

- **शूटर स्वप्निल कुसाले ने ब्रॉन्ज जीता**
- **50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कामयाबी**

पेरिस ओलिंपिक में बुधवार को भारत को तीसरा मेडल मिला। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन की मेंस कैटेगरी में शूटर स्वप्निल कुसाले ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्वप्निल ने कुल 451.4 अंक हासिल किए। खास बात यह है कि इस बार के ओलिंपिक में अब तक तीनों मेडल शूटिंग इवेंट्स में ही मिले हैं।

स्वप्निल कुसाले 2015 में कुवैत में हुई एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल प्रोन 3 इवेंट में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने 59वें नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में गगन नारंग और चेन सिंह जैसे शूटर्स को हरा चुके हैं। मेडल जीतने के बाद स्वप्निल ने कहा, 'मुझे काफी खुशी हो रही है कि मैं देश के लिए मेडल जीता। फाइनल के दौरान काफी नर्वस था, धड़कने तेज हो गई थीं।' स्वप्निल कुसाले 2015 में कुवैत में हुई एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल प्रोन 3 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा वे तुगलकाबाद में 59वें नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में गगन नारंग और चेन सिंह जैसे बड़े शूटरों को हराकर जीत हासिल कर चुके हैं।

12 साल बाद ओलिंपिक डेब्यू किया, रोल मॉडल एमएस धोनी

स्वप्निल महाराष्ट्र के पुणे में जन्मे। 28 साल के स्वप्निल 2012 से इंटरनेशनल शूटिंग इवेंट्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलिंपिक में पहली 2024 में डेब्यू किया है। पहले ही ओलिंपिक में स्वप्निल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। स्वप्निल के रोल मॉडल एमएस धोनी हैं। धोनी की तरह स्वप्निल भी सेंट्रल रेलवे में टिकट कलेक्टर का काम करते हैं। स्वप्निल भी धोनी की तरह ही शूटिंग एरिना में शांत रहते हैं।

भारत के खिलाफ बना रहा ये खतरनाक प्लान

- **इस्लामिक स्टेट को लेकर UN की बड़ी रिपोर्ट**

नई दिल्ली. संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूह 'इस्लामिक स्टेट इन इराक एंड द लेवंत-खोरासान' (ISIL-K) भारत में बड़े पैमाने पर हमले न कर पाने के बावजूद इस देश में स्थित अपने आकाओं के माध्यम से ऐसे लड़ाकों की भर्ती करना चाहता है जो अकेले ही हमलों को अंजाम दे सकें। आईएसआईएल, अल-कायदा और उससे जुड़े व्यक्तियों और संस्थाओं के बारे में विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी टीम की 34वीं रिपोर्ट मंगलवार को यहां जारी की गई।

इसमें कहा गया है कि सदस्य देशों ने चिंता जताई है कि अफगानिस्तान से पैदा होने वाला आतंकवाद क्षेत्र में असुरक्षा का कारण बनेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत में बड़े पैमाने पर हमले न कर पाने के बावजूद आईएसआईएल-के देश में अपने आकाओं के जरिए ऐसे लोगों की भर्ती करना चाहता है जो अकेले हमलों को अंजाम दे सके और उसने उर्दू में हिंदू-मुस्लिम द्वेष को बढ़ाने वाली तथा भारत के संबंध में अपनी रणनीति को रेखांकित करने वाली एक पुस्तिका जारी की है।'

इसमें कहा गया है कि आईएसआईएल-के इस क्षेत्र में सबसे गंभीर खतरा बना हुआ है, जो अफगानिस्तान से परे आतंक फैला रहा है, जबकि 'अल-कायदा रणनीतिक संयम बरतता है' और तालिबान के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता देता है।

रिपोर्ट के अनुसार, तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी), तालिबान और भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) के बीच समर्थन और सहयोग बढ़ा है। वे अफगानिस्तान में लड़ाकों और प्रशिक्षण शिविर साझा कर रहे हैं और तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान (टीजेपी) के बैनर तले अधिक घातक हमले कर रहे हैं।

इसमें कहा गया है, 'अतः टीटीपी अन्य आतंकवादी समूहों के लिए एक पनाह देने वाले संगठन में तब्दील हो सकता है। मध्यम अवधि में, टीटीपी और एक्यूआईएस का संभावित विलय पाकिस्तान और अंततः भारत, म्यांमा और बांग्लादेश के खिलाफ खतरा बढ़ा सकता है।' कुछ सदस्य देशों ने अनुमान जताया है कि आईएसआईएल-के के लड़ाकों की संख्या 4,000 से बढ़कर 6,000 हो गई है।

नए संसद भवन में घुसा पानी

नई दिल्ली. भारी बारिश की वजह से राजधानी दिल्ली में सैलाब देखने को मिला। नए संसद भवन की लॉबी में भारी बारिश के कारण पानी का रिसाव देखा गया। इस तरह की परिस्थिति के चलते प्रतिष्ठित इमारत की संरचनात्मक मजबूती और डिजाइन को लेकर एक बार फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुधवार को हुई बारिश के दौरान नए भवन के परिसर में जलभराव देखा गया। विशेषकर मकर द्वार के पास जलभराव की स्थिति गंभीर थी। इस घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए, जिसके बाद से कई सवाल उठने लगे हैं।

बारिश में युवती को गिराया, बैड टच

- **लखनऊ में रातोंरात 4 को दबोचा**
- **DCP सहित 3 अफसरों को हटाया**
- **इंस्पेक्टर समेत पूरी चौकी सस्पेंड**

लखनऊ. लखनऊ में बारिश के दौरान लड़की से बदसलूकी की गई। लड़की दोस्त के साथ बाइक से जा रही थी। पॉश इलाके मरीन ड्राइव में एक फीट पानी भरा था। हुड़दंगियों ने पहले लड़की पर पानी फेंका। फिर बैड टच करने लगे। लड़की बाइक से गिर गई। जैसे-तैसे लड़की ने खुद को संभाला। वह और उसका दोस्त हुड़दंगियों से बचकर निकले।<बुधवार शाम 4 बजे शहर के सबसे पॉश इलाके में हुई घटना का वीडियो सामने आया। थोड़ी देर में मामला सीएम ऑफिस तक पहुंच गया। पुलिस की 3 टीमें गठित हुई। हुड़दंग करने वाले लड़कों की पहचान की। तलाश में पूरे शहर में रातोंरात छापेमारी हुई। 4 आरोपियों को दबोचा।

राजधानी के वीआईपी इलाके में हुई घटना को सीएम योगी ने बेहद गंभीरता से लिया और बड़ा एक्शन लेते हुए दो आईपीएस अफसर DCP पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह, ADCP अमित कुमावत और ACP अंशू जैन को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। SHO गोमती नगर दीपक कुमार पांडेय, चौकी प्रभारी समेत पूरी चौकी को सस्पेंड कर दिया।

पूर्व क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड नहीं रहे

- **ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे**
- **40 टेस्ट-15 वनडे खेले**
- **टीम इंडिया के हेड कोच भी रहे**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और टीम इंडिया के हेड कोच रहे अंशुमान गायकवाड का बुधवार देर रात को 71 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे लंबे समय से ब्लड कैंसर से पीड़ित थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने गायकवाड़ के इलाज के लिए 1 करोड़ रुपए की मदद भी की थी।

इसके अलावा गायकवाड के लिए 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्यों ने भी मदद की थी। उन्होंने जून 2024 में लंदन के किंग्स कॉलेज अस्पताल में ब्लड कैंसर का इलाज भी कराया था। इसके बाद वे भारत लौट आए थे। बुधवार को उनके निधन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- गायकवाड़ एक गिफ्टेड प्लेयर थे।

गायकवाड के निधन को लेकर PM मोदी ने X पर पोस्ट शेयर की। उन्होंने दुख जताते हुए कहा- अंशुमान गायकवाड को क्रिकेट में उनके योगदान के लिए याद किया जाएगा। वे एक गिफ्टेड खिलाड़ी और एक बेहतरीन कोच थे। उनके निधन से बहुत दुख हुआ। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं हैं। वहीं, BCCI के सेक्रेटरी जय शाह ने भी X पर पोस्ट कर शोक जताया। उन्होंने लिखा- अंशुमान गायकवाड के परिवार और मित्रों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। पूरे क्रिकेट जगत के लिए यह दुखद घटना है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

महाराष्ट्र में 55-65 सीटें ही जीत सकती है भाजपा ?

संक्षेप...

अबू सलेम को नासिक जेल से भी किया गया शिफ्ट

मुंबई. तलोजा जेल के अंडा सेल में मरम्मत की वजह से अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम को नासिक जेल में एक महीने पहले शिफ्ट किया गया था. हालांकि अबू सलेम ने अपनी जान को खतरा बताते हुए जेल प्रशासन के इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी. कोर्ट का फैसला आ पाता इसके पहले जेल प्रशासन से उसे नासिक जेल में शिफ्ट कर दिया था. अबू सलेम एक महीने तक नासिक रोड जेल के अंडा सेल में रहा. बुधवार की रात नासिक रोड सेंट्रल जेल से अबू का एक बार फिर से ट्रांसफर किया गया है.

■ आंतरिक सर्वे बढ़ा रहे पार्टी की चिंता

मुंबई. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जारी हैं। इसी बीच अटकलें हैं कि भारतीय जनता पार्टी को राज्य में बड़े नुकसान की चिंता सता रही है। इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भी भाजपा की सीटों में गिरावट दर्ज की गई थी। इसके अलावा कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि RSS यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भाजपा के साथ अजित पवार के गठबंधन से कुछ नहीं है।

खबरें हैं कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भाजपा की मदद से सत्ता में लौटने का भरोसा है। जबकि, न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा अपने प्रदर्शन को लेकर चिंतित नजर आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा की तरफ से कराए गए आंतरिक सर्वे संकेत दे रेह हैं कि पार्टी 288 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 55 से 65 सीटों पर जीत हासिल कर सकती है। जबकि, 2014 में आंकड़ा 122 और 2019 में 105 विधायक थे।

इधर, महायुति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का कुनबा भी टूटता जा रहा है। हाल ही में पिंपरी चिंचवाड़ प्रमुख अजित गव्हाणे समेत कई नेताओं ने एनसीपी को अलविदा कह दिया था।

■ RSS को ऐतराज

संघ भाजपा और अजित पवार के साथ के पक्ष में नहीं है। इससे पहले भी 'ऑर्गेनाइजर' में लोकसभा चुनाव में भाजपा की खराब प्रदर्शन की वजह अजित को बताया गया था। हाल ही में मराठी मैगजीन 'विवेक' में भी इसी तरह की बात की गई थी। कहा जा रहा है कि आरएसएस का मानना है कि अजित पवार के साथ गठबंधन के फैसले ने भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचाया है। खबरें हैं कि आरएसएस और भाजपा के कई कार्यकर्ता भी अलग-थलग महसूस कर रहे हैं और काम करने से इनकार कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने भाजपा को संदेश पहुंचा दिया है कि अजित पवार की एनसीपी के साथ संबंध खत्म कर लेने चाहिए।

■ उद्धव दे रहे हैं भाजपा को चुनौती

- शिवसेना (UBT) चीफ उद्धव ठाकरे ने बुधवार को ऐलान कर दिया है कि राजनीति में उनमें या उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस में से कोई एक ही बचेगा। ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी नेता पर उन्हें और उनके बेटे को जेल में डालने की साजिश करने के आरोप भी लगाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी महाराष्ट्र में आकर भाजपा के लिए विधानसभा चुनाव में प्रचार करने की चुनौती दी है।
- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ठाकरे ने कहा, 'अनिल देशमुख ने अब खुलासा कर दिया है कि कैसे फडणवीस ने मुझे और आदित्य ठाकरे को जेल में डालने की साजिश की थी। मैंने सब कुछ सहन किया, लेकिन बहादुरी से मजबूती के साथ खड़ा रहा। तो अब या तो आप (फडणवीस) राजनीत में रहेंगे या मैं रहूंगा। आज मेरे पास कोई पार्टी, चिह्न या पैसा नहीं है, लेकिन मैं मेरे साथ खड़े शिवसैनिकों की बहादुरी की वजह से भापा को चुनौती दे रहा हूं।'

ड्रग्स तस्करी में फरार आरोपी गिरफ्तार

■ बाजारपेठ पुलिस को 4 साल से थी तलाश

उल्हास विकास संवाददाता

कल्याण. एमडी ड्रग्स की तस्करी में लिप्त फरार आरोपी को पकड़ने में कल्याण की बाजारपेठ पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पकड़े गए आरोपी का नाम सैफ सिकंदर बुरहान (38) है जो राबोडी, ठाणे का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस को चार साल से सैफ की तलाश थी। बाजारपेठ पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुरेशसिंह गौड़ के अनुसार बाजार पेठ पुलिस ने 4 साल पहले आरोपी सैफ के ऊपर एनडीपीएस एक्ट के तहत एमडी ड्रग्स की तस्करी का मामला दर्ज किया था। पुलिस की टीम उसे पकड़ने की योजना बना रही थी, लेकिन वह फरार हो गया। 4 साल से मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिले के अलग-अलग इलाकों में पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इस दौरान बाजार पेठ थाने के हवलदार सचिन सालवी को मुखबिर द्वारा गुप्त सूचना मिली कि सैफ बुरहान कल्याण के एपीएमसी मार्केट में आने वाला है। इसी सूचना के आधार पर बाजारपेठ थाने के इंचार्ज सुरेश सिंहगौड़ के मार्गदर्शन में डीबी टीम के सहायक पुलिस निरीक्षक नवनाथ रूपवते, सहायक उप निरीक्षक सुरेश पाटिल, सचिन सालवी, प्रेम बगल और अरुण आंदोलन इन पुलिस कर्मियों की टीम ने एपीएमसी मार्केट में जाल बिछाकर आरोपी सैफ को गिरफ्तार किया। हालांकि इस बार भी पुलिस को देख वह चकमा देकर छूमंतर होने की फिराक में था लेकिन पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी से उसे दबोच लिया। बाजार पेठ पुलिस के अनुसार सैफ की गिरफ्तारी से ड्रग्स तस्करी के अनेक मामलों का खुलासा होने की संभावना है। फिलहाल पुलिस इंस्पेक्टर नवनाथ रूपवते मामले की आगे की जांच कर रहे है।

रिक्शा चालक देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार

भिवंडी. शहर पुलिस ने कामतघर से एक रिक्शा चालक को देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है.पुलिस ने रिक्शा व देशी कट्टा दोनों जब्त कर चालक दीपक श्रीराम यातडे को हिरासत में लिया है. शहर पुलिस को मुखबिर से गुप्त सूचना मिली कि, कामतघर हनुमान मंदिर के पास अलंकार मुकादम चाल में रहने वाला रिक्शा चालक दीपक श्रीराम तायडे वराल देवी तालाब सार्वजनिक रोड़ पर देशी कट्टा लेकर घूम रहा है.पुलिस ने फौरन उसे जाकर देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार कर लिया. शहर पुलिस ने पुलिस हवलदार शरद लक्ष्मण गोसावी की शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है.

पानी से भरे गड्ढे से बरामद हुआ 12 वर्षीय मासूम का शव

भावेश की संदेहास्पद मौत की हो जांच -महेश गायकवाड

■ महेश गायकवाड़ ने मृतक के परिजनों से की मुलाकात

उल्हास विकास संवाददाता

कल्याण. कल्याण के नांदिवली में एक 12 वर्षीय बच्चे की पानी में डूबने से मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही शिवसेना के कल्याण पूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने मृतक बच्चे के परिवार से मुलाकात की और हमदर्दी जताई। जानकारी के मुताबिक बुधवार 31 जुलाई को नांदिवली का रहने वाला 12 साल का भावेश पंडित राठौड़ दोपहर के समय अचानक गायब हो गया। घर के आसपास नज़र नहीं आने पर परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू किया। दोपहर से रात हो गई पर बच्चा जब घर नहीं लौटा तो घर वाले चिंतित हो गए। बच्चे के लापता होने के बारे में कोलसेवाड़ी पुलिस को सूचित करने के बाद बच्चे की मां ने मदद के लिए शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ के कार्यालय में पहुंचकर उन्हें जानकारी दी। जिसपर महेश गायकवाड़ ने तुरंत पुलिस यंत्रणा से संपर्क कर जल्द से जल्द जांच करने की बिनती की। कुछ देर के बाद भावेश का शव आडिवली-ढोकली में स्थित एक पानी से भरे गड्ढे से बरामद हुआ। पानी में डूबने की वजह से 12 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। इस घटना से पंडित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बच्चे के मौत की खबर सुनकर गुरुवार को शिवसेना के शहर प्रमुख गायकवाड़ ने परिवार वालों से मिलकर उनके दुख में शामिल हुए। परिजनों का कहना है कि यह हादसा नहीं बल्कि भावेश के साथ कुछ गलत हुआ है। जिसपर महेश गायकवाड़ ने परिजनों को दिलासा दिया और इस मामले की गहन जांच करने की मांग पुलिस प्रशासन की। वहीं महेश गायकवाड़ ने कोलसेवाड़ी पुलिस के अधिकारियों से मिलकर कड़ी कार्रवाई करने की अपील की है।

12 वर्षीय मासूम निकली गर्भवती

बदलापुर. बदलापुर में पुलिस ने 12 वर्षीय लड़की के कथित तौर पर दुष्कर्म के कारण गर्भवती होने के बाद मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि यह अपराध तब सामने आया जब लड़की को हाल ही में पेट दर्द के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, लड़की और उसका परिवार आजीविका कमाने के लिए नेपाल से ठाणे जिले में आया है। अधिकारी ने बताया कि दूसरे हमले के डर से लड़की चुप रही। 19 जुलाई को पेट दर्द के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद पता चला कि वह गर्भवती है।

उन्होंने बताया कि लड़की के गर्भवती होने की जानकारी मिलने के बाद उसकी मां बदलापुर पुलिस थाने पहुंची, जहां भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सिंधी भाषा संस्कृति हमारी धरोहर व अभिमान: जगदीश तेजवानी

उल्हासनगर. उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन द्वारा सिन्धी फिल्म 'हर हर हेमू' का प्रीमियर शो आयोजन किया गया, जो कि बेहद सफ़ल और हॉउसफुल रहा. दर्शकों द्वारा बेहद पसंद किया गया 'हर हर हेमू' दीपक वाटवाणी द्वारा निर्देशित 10वीं फ़िल्म जिसमें आज़ादी के लिये कैसे बलिदान दिया लेक़िन संबंधों की गरिमा रख कर ख़ुद फाँसी पर चढ़े। आनेवाली पीढ़ी को भी कैसे प्रोत्साहित किया जाये यह भी फ़िल्म में दर्शाया गया हैं ।

सिन्धी भाषा, कला , सभ्यता व संस्कृति को बढ़ाने और उत्थान के अहम भूमिका निभाने वाले सिन्धी समाज के अनुयायी उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश तेजवानी के दिल में सिन्धियत के लिये हमेशा एक अलग ही जगह रहती है. जिसे जन-जन तक पहुँचाने के लिये हमेशा प्रयासरत रहते हैं और नियमित रूप से सिन्धी संतों-महापुरूषों की प्रतिमाओं की सौंदयकरण, सिन्धी कार्यक्रमों व नाटकों के आयोजन, सिन्धी फिल्म शो के आयोजन व अन्य सिन्धी कार्यक्रमों में विशेष योगदान देते हुए कार्यक्रमों को सहयोग देकर सफल बनाते हैं और कलाकारों की हौसलाअफजाई करते हैं

इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश तेजवानी व सन्नी जाधवानी, लाल पिंजानी के सहयोग से वीटीवी प्रोडक्शन के सर्वेसर्वा दीपक वाटवानी द्वारा निर्देशित सिन्धी फिल्म 'हर हर हेमू' के प्रीमियर शो के आयोजन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जगदीश तेजवानी ने बताया कि सिन्धी फिल्में एक ऐसा सरल माध्यम है जिससे ज्यादा से ज्यादा युवा पीढ़ी को विश्व की सबसे प्राचीन सिंधी भाषा, कला, संस्कृति व सभ्यता से समय-समय पर अवगत करा सकें. सिन्धी फिल्म बनाने और उसमें काम करने वाले कलाकारों की हौसलाअफजाई भी जरूरी है ताकि उनकी प्रतिभा में निखार आये और भविष्य में भी सिन्धी फिल्मों का सिलसिला जारी रहे। वहीं जगदीश तेजवानी का यह भी मानना है कि सिन्धी भाषा, सभ्यता व संस्कृति हमारी प्राचीन धरोहर है. इसे संजोये रखने के लिये प्रत्येक सिन्धी समाज के समाजसेवियों को जरूर अपना योगदान देना चाहिए. उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन की तरफ़ से आयोजित इस प्रीमियर शो में विशेष अतिथि वर्षा तेजवानी, पूर्व आमदार पप्पू कालानी, महाराष्ट्र सिन्धी साहित्य अकादमी कार्याध्यक्ष महेश सुखरमानी, जगदीश तेजवानी, दीपक वाटवाणी, सुंदर डंगवानी, सन्नी जाधवानी, लाल पिंजानी, मनोज लासी, यूट्यूबर विनय तेजवानी, कमलेश निकम, महेश पुरस्वानी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

उपद्रव मचाने के आरोप में 21 ट्रांसजेंडर गिरफ्तार

नवी मुंबई. नवी मुंबई में सार्वजनिक स्थानों पर उपद्रव मचाने के आरोप में पुलिस ने कुल 21 ट्रांसजेंडरों को पकड़ा है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। नवी मुंबई पुलिस के मानव तस्करी निरोधक प्रकोष्ठ (AHTC) ने यह कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि इसके बाद एएचटीसी ने तीन टीमें बनाईं और 30 जुलाई को उरण फाटा, जुईनगर और एपीएमसी ट्रक टर्मिनल सहित विभिन्न स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की और ट्रांसजेंडरों को हिरासत में लिया। उन्होंने बताया कि जुईनगर से 12, एपीएमसी ट्रक टर्मिनल से छह और उरण फाटा से तीन ट्रांसजेंडरों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ सीबीडी, नेरुल और एपीएमसी पुलिस थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

वसई-विरार मनपा के डिप्टी कमिश्नर पर हमला

वसई. वसई विरार नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर अजीत मुठे पर भू-माफियाओं ने हमला कर दिया. घटना बुधवार शाम को नायगांव पूर्व के पोमन शिलो इलाके में हुई. उपायुक्त अजीत मुठे, जो वसई विरार नगर निगम के अतिक्रमण विभाग के प्रमुख हैं, बुधवार दोपहर अपनी टीम के साथ कार्रवाई करने के लिए नायगांव पूर्व के पोमन शिलोत्तर गए।

इस स्थान पर भू-माफियाओं ने अवैध रूप से अनाधिकृत निर्माण कर लिया था। इसी कार्रवाई के दौरान भू-माफियाओं ने अचानक मुठे पर हमला कर दिया. मुथे को मामूली चोटें आईं।

बाद में पुलिस ने स्थिति पर काबू पाया. इस मामले में नायगांव थाने में केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. उस समय तक मुथे ने भू-माफियाओं के ग्यारह हजार वर्ग किलोमीटर के अनाधिकृत निर्माण को ढहा दिया था।

आम सूचना

मैं श्रीमती श्रीविद्या श्रीनिवासन नायडू सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप, बैरक नं. 2, रुम नं. 9 के पास, शिव रोड, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 07एओ019173600(पार्ट)। श्री शंकर हनमंता नायडू का निधन 30.4.2014 को हुआ और श्रीमती लिलावती शिवशंकर नायडू का निधन 19.1.2022 को हुआ। श्री शिवशंकर हनमंता नायडू इन्होंने उक्त प्रापर्टी श्री थारोमल सी. रंगवानी से रजि. सेल डीड जुना नं. 353/1982 दि. 20.1.1982 नया नं. 5611/1990, दि. 6.9.1990 अन्वये खरेदी किया है। और शिव शंकर हनमंता नायडू ने उपरोक्त प्रापर्टी अपनी बेटी श्रीमती श्रीविद्या श्रीनिवासन नायडू को नोटरी वसीयत (वील) दि. 12.9.2022 सी.नं. 217/2022 से दिया है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती श्रीविद्या श्रीनिवासन नायडू

उल्हास वि NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
उल्हास वि NEWS

'कम उम्र में शादी करके गलती की थी'

अर्जुन रामपाल ने एक इंटरव्यू में मेहर जेसिया से पहली शादी टूटने के बारे में बात की है। अर्जुन ने इस दौरान माना कि उन्होंने कम एज में शादी करके गलती की थी। अर्जुन ने कहा कि जब उन्होंने शादी की तो वो केवल 24 साल के थे।

द रणवीर शो में अर्जुन ने कहा, 'जब मैंने शादी की तो मैं केवल 24 साल का था। मेरे ख्याल से ये काफी जल्दी था। जब आप यंग होते हैं तो आपको लाइफ में काफी कुछ सीखने और अनुभव की जरूरत होती है। आपको मैच्योर होना पड़ता है। पुरुष महिलाओं की तुलना में देर से मैच्योर होते हैं। ये फैक्ट है कि हम इडियट्स होते हैं। अगर आपको मैरिज में सक्सेसफुल होना है तो इंतजार कीजिए।' मेहर जेसिया से तलाक के बारे में अर्जुन ने कहा, 'वो बहुत मुश्किल वक्त था। तलाक किसी के लिए भी आसान नहीं होता। खासकर बच्चों के लिए ये बेहद मुश्किल होता है।'

अर्जुन ने कहा कि तलाक के बाद कुछ वक्त तो आजादी का एहसास होता है लेकिन बाद में आप अकेलापन फील करने लगते हैं। आपको घर की याद आने लगती है।'

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099